>

Title: Need to take immediate steps to check the pollution caused by Public Sector Undertakings and Private Sector companies in Sonbhadra district of Uttar Pradesh.

श्री पकौड़ी लाल (रॉबर्ट्सगंज): सभापति महोदय, मैं जनपद सोनभद्र, उत्तर प्रदेश के सरकारी एवं गैर सरकारी कंपनियों द्वारा फैलाए जा रहे प्रदूषण के संबंध में कहना चाहता हूं।

मेरे संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत जनपद सोनभद्र, उत्तर प्रदेश में आदिवासी-वनवासियों को विस्थापित कर उनकी जमीन पर अनेक प्रकार की सरकारी एवं गैर सरकारी परियोजनाएं जैसे हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, कनौडिया कैमिकल्स फैक्ट्री, रेणु सागर पावर प्लांट, एनटीपीसी, कार्बन प्लांट, कोयला प्लांट, सीमेंट फैक्ट्री, क्रैशर इत्यादि प्लांट स्थापित हैं जिनसे अत्याधिक मात्रा में गंदी राख, धुआं, धुंध, विषैला पानी निकलता है जो रिहंद जलाशय में छोड़ा जाता है, जिसके कारण स्थानीय जनता का स्वास्थ्य खराब हो रहा है। दूषित जल से रिहंद जलाशय के किनारे बसे पड़री गांव के लगभग 12 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई है लेकिन सरकार या फैक्ट्रियों द्वारा कोई मुआवजा नहीं मिला। कृषि योग्य भूमि उसर बनती जा रही है। वन तथा वन संपदा, जीव जन्तु इससे प्रभावित हो रहे हैं। विस्थापित हुए आदिवासी, वनवासियों की आर्थिक स्थिति खराब है। इनको पर्याप्त मुआवजा एवं नौकरी नहीं मिली है। पर्यावरण प्रदूषण के कारण इनका जीवन खतरे में पड़ गया है। जनप्रतिनिधियों एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सुझाव व निर्देश का परियोजनाओं के अधिकारियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है। अंधाधुंध प्रदूषण से पर्यावरण के प्रति खतरा उत्पन्न हो गया है। आवंटित जमीन के अलावा वन भूमि पर फैक्ट्रियों द्वारा अवैध कब्जा किया जा रहा है। इनके द्वारा जलवायु हितेषी प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है, जिसके कारण कार्बन उत्सर्जित हो रहा है।

अतः आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से निवेदन है कि जनपद सोनभद्र, उत्तर प्रदेश के सरकारी एवं गैर सरकारी परियोजनाओं द्वारा फैलाए जा रहे प्रदूषण को रुकवाने हेतु शीघ्र कार्यवाही करने का कष्ट करें ताकि आदिवासियों का स्वास्थ्य सुरक्षित रह सके।